योग विभाग

दर्शन संकाय के अन्तर्गत संचालित योग विज्ञान विभाग युवा वर्ग के लिए उच्च शिक्षा तथा वैज्ञानिक अनुसंधान पद्धति के माध्यम से योग शिक्षा का विकास तथा एक स्वस्थ समाज का निर्माण कर रहा है। वैज्ञानिक पद्धति को ध्यान में रखते हुए समग्र योग चिकित्सा द्वारा समाज में शारीरिक तथा मनोरोगों का उपचार किया जा रहा है। साथ ही युवा वर्ग के लिए रोजगार के विभिन्न आयाम भी खोजे जा रहे हैं। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में सन् 2015 में योग विज्ञान विभाग स्थापित किया गया। योग विभाग का मुख्य उद्देश्य योग और आध्यात्मिक विद्या का समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। योग आध्यात्मिक अनुशासन एवं अत्यन्त सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित ज्ञान है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करता है। यह स्वस्थ जीवन की कला एवं विज्ञान है। योग अभ्यास व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ एकाकार कर देता है। वर्तमान समय में भौतिकवादी युग के कारण जन सामान्य निरन्तर अवसाद से युक्त है और यही अवसाद लम्बे समय तक बने रहने से व्यक्ति तनाव जनित रोगों व जीवन शैली में नकारात्मक दृष्टिकोण से घिरा रहता है। इस समस्या के निदान हेतु योग विज्ञान पर आधारित पाठ्यक्रम युवा पीढ़ी के विकास में अपनी अहम् भूमिका निभा रहा है। योगविज्ञान के पाठ्यक्रमों में प्राचीन योगशास्त्रों के साथ आधुनिक विषय मानवशरीर विज्ञान, मनोविज्ञान आदि का सम्मिश्रण हैं जिससे योग के उद्देश्य स्थूल शरीर से सूक्ष्म शरीर की यात्रा युवा वर्ग को आसानी से स्पष्ट की जा सके।

वर्तमान में विभाग में PGDYT एक वर्षीय एवं YIC त्रैमासिक डिप्लोमा कोर्स संचालित हैं तथा योग विज्ञान में बीए-बीएससी 3 वर्षीय पाठ्यक्रम एवं एमए-एमएससी 2 वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित हैं। शैक्षणिक सत्र 2020-21 में अध्यापन कार्य सीबीसीएस पाठयक्रम तथा ऑनलाइन के माध्यम से भी कराया जायेगा।

योग विभाग की भावी कार्य योजनाएं

1. योग विज्ञान विभाग द्वारा इस सत्र में Ph.D. (योग विज्ञान) तथा M.Phil के कार्यक्रमों का प्रारंभ करना तथा योग विज्ञान के क्षेत्र में नये वैज्ञानिक शोध करने की योजना है, जिससे शरीर, मन, चेतना के स्तर में योग के विभिन्न आयामों का प्रभाव प्रस्तुत किया जा सके। 2. कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट को ध्यान में रखते हुये विभिन्न प्रकार के शोध, वेबिनार का आयोजन करने की योजना है, जिससे छात्र इस संकट काल में शरीर, मन, चेतना, प्राण के स्तर पर आसन, प्राणायाम, ध्यान, क्रिया के प्रभाव को समझते हुए इस प्रकार के संकट काल में अपना योगदान दे सकें। इस संबंध में विशेष कौशल विकास की योजना है। 3. Halistic Healing Center स्थापित करना जिससे देश विदेश में सभी Psychosomatic रोगों से संबंधित लोगों को समग्र स्वास्थ्य के लिए आवासीय सुविधा का लाभ उठा सके।

आचार्यगण

डॉ. शत्रुघ्न सिंह
विभागाध्यक्ष
9663306972

श्रीमती वन्दना राठौड़
सहायक आचार्य
8762414369